SALCO
South Asian Legal Clinic of Ontario

सेपरेशन के समझौते

सेपरेशन समझौता क्या है?

जब कोई जोड़ा तय करता है कि उनका रिश्ता अब खत्म हो गया है और वे अलग रहना चाहते हैं, तो उन्हें अलग हुआ माना जाएगा। वास्तव में अलग होने के अलावा कोई "कानूनी अलगाव प्रक्रिया" नहीं है।

अलग हो रहा जोड़ा ya to विवाहित या कामन लॉ संबंध में हो सकता है।

जोड़े को अलग हुआ माना जा सकता है अगर:

- वे प्रत्येक अपने-अपने घर में रहते हैं या;
- वे एक ही घर में रहते हैं लेकिन ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे वे अलग रह रहे हों

जब एक जोड़ा अलग होता है तो ऐसे कई मुद्दे होते हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत होती है। अलग होने के बाद प्रत्येक व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारियां होती हैं। सेपरेशन समझौता इस बारे में समझौता होता है कि एक जोड़े के अलग होने के बाद क्या होगा।सेपरेशन की सही तारीख का दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण है। यह इसे प्रभावित करेगा कि आप कितनी जल्दी तलाक ले सकते हैं (यदि आप तलाक लेने का निर्णय लेते हैं), आप सपोर्ट भुगतान कब प्राप्त कर सकते हैं और आप अपनी संपत्ति को कैसे विभाजित करते हैं।

एक जोड़े के लिए सेपरेशन का समझौता करना आम बात है जब वे अलग हो जाते हैं।

हल करने की आवश्यकता वाले सामान्य मुद्दे हैं:

- निर्णय लेने की जिम्मेदारी (डिसिज़न-मेकिंग) - बच्चों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय कौन लेगा
- बच्चे कहां रहेंगे
- पालन-पोषण का समय (पैरेंटिंग-टाइम) - प्रत्येक माता या पिता के साथ बच्चे कितना समय व्यतीत करेंगे
- संपत्ति - जोड़े की मालिकी वाली संपत्ति का क्या होगा

• चाइल्ड सपोर्ट - एक माता या पिता दूसरे माता या पिता को कितनी चाइल्ड सपोर्ट का भुगतान करेगा
• स्पाउज़ल सपोर्ट - स्पाउज़ल सपोर्ट कौन और कितनी देगा

समझौता कैसे बनाएँ:

• अनौपचारिक रूप से - दोनों पक्ष इसे लिखे बिना निजी तौर पर मुद्दों पर सहमत हो सकते हैं। इसकी सिफ़ारिश नहीं की जाती है क्योंकि समझौते का कोई प्रमाण नहीं है।

• लिखित रूप में - शर्तें लिखी जाएंगी और दोनों पक्ष समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। यह सिफ़ारिश की जाती है कि एक गवाह उपस्थित हो। किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी सलाह लेना भी महत्वपूर्ण है। यह समझौता अदालत में फाइल भी किया जा सकता है ताकि अदालत समझौते को लागू कर सके।

सेपरेशन समझौता बनाने से पहले आपको सभी मुद्दों पर सहमत होने की आवश्यकता नहीं है। आप कुछ मुद्दों पर सहमत हो सकते हैं और बाकी के बारे में बाद में फैसला कर सकते हैं। आप किसी भी समय एक नया सेपरेशन समझौता कर सकते हैं, जब तक दोनों पक्ष सहमत होते हैं।

उदाहरण:

मोहम्मद और फातिमा अलग होने का फैसला करते हैं। वे केवल निम्नलिखित पर सहमत हैं:

• मोहम्मद और फातिमा बच्चों के लिए निर्णय लेने की जिम्मेदारी साझा करेंगे
• बच्चे सोमवार से शुक्रवार तक फातिमा के साथ और वीकेंड मोहम्मद के साथ बिताएंगे
• वे अपना घर बेच देंगे और मुनाफा बांट लेंगे

इस उदाहरण में, मोहम्मद और फातिमा निर्णय लेने की जिम्मेदारी, पालन-पोषण के समय और संपत्ति के बंटवारे के मुद्दों पर सहमत हुए हैं। वे अपने अलगाव समझौते में शर्तें लिखेंगे और बाद की तारीख में चाइल्ड सपोर्ट और स्पाउज़ल सपोर्ट के मुद्दों पर सहमत होंगे।

SALCO
South Asian Legal Clinic of Ontario

आपको अलगाव समझौता नहीं करना चाहिए अगर:

- आपका पार्टनर दुर्व्यवहार करता है या अतीत में दुर्व्यवहार करने वाला रहा है
- आपके पार्टनर को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं
- आप अपने पार्टनर से बात करने से डरते हैं

यदि पक्ष कोई शेष मुद्दों पर समझौता नहीं कर सकते हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द अदालती प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए ताकि अदालत उनके लिए मुद्दों का समाधान कर सके।

सेपरेशन समझौते के भागों को बदलना:

अगर जोड़े के बीच निजी तौर पर समझौता किया गया था:

- वे एक नया समझौता कर सकते हैं और सहमत हो सकते हैं कि पुराना समझौता अब मान्य नहीं है
- यदि वे परिवर्तनों पर सहमत नहीं हो सकते हैं, तो वे मध्यस्थता जैसी विवाद समाधान विधि के माध्यम से इसे अदालत से बाहर हल करने का प्रयास कर सकते हैं, या वे अदालत में जा सकते हैं (यदि उन्होंने अदालत में समझौता फाइल किया है)

अगर जोड़े को अदालत का आदेश मिला है:

- यदि वे परिवर्तनों पर सहमत नहीं हैं, तो उन्हें पिछले आदेश को "तबदील करने" (बदलने) के लिए न्यायालय में आवेदन करना होगा
- उन्हें अदालत में यह साबित करना होगा कि पिछले आदेश के बाद से परिस्थितियों में बदलाव आया है
- यदि वे परिवर्तनों पर सहमत हैं, तो वे अदालत में नया समझौता प्रस्तुत कर सकते हैं और अदालत से इसे "सहमति आदेश" (“consent order”) नामक आदेश में डालने के लिए कह सकते हैं